भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2331

उत्तर देने की तारीख : 16.12.2024

जीडीपी में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों का योगदान

2331. डा. के. लक्ष्मण:
श्री मदन राठौड़:
श्री नीरज डांगी:

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत वर्षों के दौरान सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र का कितना योगदान रहा है और क्या इसने देश की अर्थव्यवस्था में उद्यमियों की ठोस भूमिका को सशक्त किया है;

(ख) अन्य वस्तुओं के निर्यात की तुलना एमएसएमई संबंधी उत्पादों के निर्यात हिस्से में कितनी वृद्धि हुई है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा एमएसएमई के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी पहलों की सफलता का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय से प्राप्त सूचना के अनुसार, वर्ष 2022-23 के दौरान अखिल भारतीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई सकल मूल्य संवर्धन (जीवीए) का योगदान 30.1% था।

(ख): वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएस) के डाटा प्रसार (डिस्सेमिनेशन) पोर्टल से प्राप्त की गई सूचना के अनुसार, वर्ष 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के दौरान अखिल भारतीय निर्यात में एमएसएमई विशिष्ट उत्पादों का निर्यात क्रमश: 45,03%, 43.59% और 45.73% रहा था।

(ग): वर्ष 2022-23 की बजट घोषणाओं के अनुपालन में, क्रेडिट, कौशल प्रशिक्षण, भर्ती आदि की सुविधा प्रदान करने के लिए एमएसएमई हेतु उद्यम पंजीकरण पोर्टल को आंतरिक श्रम और रोजगार मंत्रालय तथा राष्ट्रीय कैरियर सेवा तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के साथ जोड़ दिया गया है।

****